सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 140 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 26 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हम जिस किसी भी चीज की विश्वास के साथ उम्मीद करते हैं वो हमारी स्वतः परिपूर्ण भविष्यवाणी हो जाता है।

-ब्रायन ट्रेसी

प्रशासन की प्रताड़ना से गई युवक... 7 | विपक्षी एकता दिलाएगा 24 में नया... 3 | आज आपातकाल से भी ज्यादा बदतर... 2

मोदी जी ! अब तो तोड़ें मौन

मणिपुर के हालात पर विपक्ष ने घेरा

» पीएम के देश लौटने के बाद सियासी गर्मी बढ़ी

» प्रधानमंत्री को गृहमंत्री ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 दिवसीय विदेश दौरे से लौटने के बाद विपक्ष ने उन पर मणिपुर मामले में चुप्पी तोड़ने को कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खरगे ने कहा कि पीएम मोदी ने 55 दिनों से मणिपुर पर एक शब्द नहीं कहा है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी से 5 मांग भी की है, जिसमें सीएम की बर्खास्तगी भी शामिल है।

उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पीएम मुलाकात की है। अमित शाह ने मणिपुर के हालात को लेकर पीएम मोदी को जानकारी दी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट कर लिखा, ऐसी खबर चल रही है कि, आखिरकार मणिपुर पर गृहमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी जी से बात की है। पूरा देश उनकी मणिपुर की बात सुनने का इंतज़ार कर रहा है। इससे पहले भाजपा के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की स्वदेश वापसी पर हवाई अड्डे के बाहर उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रोपेगेंडा नहीं डाल सकता है पर्दा- खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा, बीजेपी और मोदी सरकार का कोई भी प्रोपेगेंडा, मणिपुर हिंसा में उनकी घोर विफलताओं पर पर्दा नहीं डाल सकता। वहीं खरगे ने पीएम मोदी से 5 मांग की है। अगर मोदी जी सही में मणिपुर के बारे में कुछ भी सोचते हैं तो सबसे पहले अपने मुख्यमंत्री को बर्खास्त कीजिये। उग्रवादी संगठनों व असामाजिक तत्वों से चुराए हुए हथियार जब्त करें। सभी पक्षों से बातचीत शुरू करें और साझा राजनीतिक रास्ता निकाला जाए। सुरक्षा बलों की मदद से ब्लॉकेड खत्म करें। राष्ट्रीय राजमार्गों को खोलकर और सुरक्षित रखकर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। प्रभावित लोगों के लिए राहत, पुनर्वास और आजीविका का पैकेज बिना देरी किए तैयार किया जाना चाहिए। घोषित राहत पैकेज अपर्याप्त है।

सबकुछ ठीक और शांतिपूर्ण है : राजनाथ

राजनाथ सिंह ने संबोधित में नॉर्थ ईस्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां पर सबकुछ ठीक है और शांतिपूर्ण है। हम उस समय का इंतजार कर रहे हैं जब अफस्पा (AFSPA) को हटाया जाएगा।

राज्य और केंद्र सरकार हिंसा को नियंत्रित करने में सक्षम : बीरेन

मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने ट्वीट कर कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और मणिपुर में जमीनी स्तर पर उभरती स्थिति के बारे में जानकारी दी। अमित शाह की करीबी निगरानी में, राज्य और केंद्र सरकार हिंसा को नियंत्रित करने में सक्षम हैं।

केंद्रीय मंत्रियों के साथ हो रही महत्वपूर्ण बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारण और हरदीप सिंह पुरी समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। बैठक किस मुद्दे पर हो रही है, अभी इसे लेकर कोई डिटेल सामने नहीं आई हैं।

शाह ने मोदी से की मुलाकात

पीएम मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका और मिस्र की राजकीय यात्रा पूरी करने के बाद आज देश लौटे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर पहुंचे और उन्हें हिंसा प्रभावित मणिपुर में वर्तमान स्थिति और असम में बाढ़ के बारे में जानकारी दी है। इससे पहले, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को अमित शाह को जानकारी दी और कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें हिंसा को काफी हद तक नियंत्रित करने में सक्षम हैं।

लड़ाई अब सड़क पर नहीं कोर्ट में लड़ी जाएगी

» पहलवानों ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ फिर सड़क पर उतरने की चेतावनी देने के एक दिन बाद प्रदर्शनकारी पहलवानों ने घोषणा की कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लड़ाई अब सड़कों पर नहीं, कोर्ट में लड़ी जाएगी। पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने एक जैसे ट्वीट कर कहा कि सरकार ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर करने का अपना वादा पूरा किया।

उन्होंने कहा कि पहलवान तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक न्याय नहीं मिल जाता है, लेकिन अब लड़ाई सडक पर नहीं, कोर्ट में होगी।

अदालत अपना काम करेगी : बृजभूषण सिंह

डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने कहा है कि वे अब अदालत में लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे कोई टिप्पणी नहीं करनी है, अब प्रकरण अदालत में है और अदालत अपना काम करेगी।

कश्मीर में एनआईए की छापेमारी

» आतंकवाद से जुड़े मामलों में कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को घाटी में करीब आधा दर्जन जगहों पर छापा मारा है। सूत्रों के अनुसार, आतंकी गतिविधि से संबंधित एक मामले में जांच के सिलसिले में ये छापेमारी की गई है। आज सुबह एजेंसी की टीमें सुरक्षाबलों के साथ बांदीपोरा, कुलगाम, पुलवामा और शोपियां पहुंची। प्रदेश के इन चार जिलों में छह जगहों पर जांच की जा रही है।

इससे पहले बीते मंगलवार को श्रीनगर में देश विरोधी तथा अलगाववादी गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने घाटी के चार जिलों में छह स्थानों पर छापे मारे। जिन लोगों व संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई उन पर विदेशी सहयोगियों के साथ मिलकर घाटी में आतंकवाद तथा अलगाववाद को बढ़ावा देने का शक है।

छह स्थानों पर तलाशी

एसआईए के एक अधिकारी के अनुसार एजेंसी ने कुपवाड़ा, अनंतनाग, पुलवामा और श्रीनगर जिलों में छह स्थानों पर तलाशी ली। जांच एजेंसी ने सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कथित रूप से विदेशी सहयोगियों के साथ सहयोग करने के संबंध में मामला दर्ज किया था। इन चिह्नित संस्थाओं पर आतंकवाद और उसका समर्थन करने का भी आरोप है। हाल के दिनों में एसआईए, एनआईए और एसआईयू ने पूरे प्रदेश में अलगाववादी और आतंकी गतिविधियों पर शिकंजा और कड़ा किया है।

आज आपातकाल से भी ज्यादा बदतर हैं हालात : अखिलेश

» भाजपा सरकार में कोई न्याय की उम्मीद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज के हालात को आपात काल से भी बदतर बताते हुए भाजपा सरकार पर हमला बोला। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि 25 जून 1975 की काली यादें आज भी सिहरन पैदा कर देती हैं। आपातकाल में नागरिक अधिकार छीन लिए गए थे। वहीं, आज के हालात इमरजेंसी से ज्यादा खराब हैं। आज सच बोलने पर कार्रवाई होती है। सरकार से सवाल पूछने पर कार्रवाई होती है। भाजपा सरकार में कोई न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता है।

लोगों के संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों को छीना जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। प्रेस की आजादी खतरे में है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत को बचाने और संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए समाजवादी शुरू से ही प्रतिबद्ध रहे हैं। आपातकाल में जिन लोगों ने लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्ष किया था, सरकार में उन लोकतंत्र सेनानियों को 15 हजार रुपये की सम्मान राशि, चिकित्सा, परिवहन की सुविधा के अलावा राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की भी व्यवस्था की गई थी। अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान दिया है, वही हमारे लिए समान आचार संहिता है। भाजपा के लोग नफरत फैलाते हैं। समाजवादी

जफरयाब जिलानी को दी श्रद्धांजलि

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को मुमताज कॉलेज, डालीगंज, लखनऊ के मौलाना अली मियां नदवी हाल में पूर्व अपर महाधिवक्ता मरहूम जफरयाब जिलानी की याद में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। उन्होंने मरहूम जफरयाब जिलानी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अखिलेश ने कहा कि जफरयाब जिलानी का कद बहुत बड़ा था। सभी के दुख-दर्द में साथ देते थे। इस अवसर पर ऐशबाग ईदगाह के इमाम खालिद रशीद फरंगी महली, डॉ. यासीन अली उस्मानी, पूर्व न्यायाधीश हैदर अब्बास, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

विरोधी दलों के गठबंधन का नाम होगा पीडीए : डी. राजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में 23 जून को हुई विपक्ष की बैठक के बाद नाम की घोषणा नहीं हुई, लेकिन अब वामपंथी नेता डी. राजा ने विपक्षी एकता के लिए जुटे दलों के गठबंधन का नया नाम जाहिर किया है। 15 में से 14 दल मीडिया के सामने आए थे। उन 14 दलों ने भी नए नाम की घोषणा नहीं की।

अब भारतीय कॉम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा ने बताया कि भाजपा-विरोधी दलों की शिमला में अगले महीने होने वाली बैठक में देशभक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (patriotic democratic alliance) के नाम पर मुहर लग जाएगी। बिहार में पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के बाद राजा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बुलावे पर देशभर से 23 जून को जुटे दलों ने भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रण ले लिया है। इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए शिमला में बैठक होगी तो गठबंधन के नए नाम और नए संयोजक की घोषणा कर दी जाएगी। वहीं जानकारों का कहना है कि करीब डेढ़ दर्जन दलों को मिलाकर चुनाव लड़ने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के लिए उसे भंग करने का निर्णय लेना आसान नहीं होगा। ऐसा इसलिए भी कि उसकी चेयरपर्सन सोनिया गांधी हैं और नए नाम से ऐसा गठबंधन बना तो उनकी भूमिका खत्म हो जाएगी।

यूपी में बिजली खोजो अभियान चलाएगी आप : संजय सिंह

» दो जुलाई को लालटेन जुलूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बिजली कटौती को लेकर आम आदमी पार्टी सोमवार से पूरे प्रदेश में बिजली खोजो अभियान चलाएगी और दो जुलाई को प्रदेश भर में लालटेन जुलूस निकालेगी। आम आदमी पार्टी के सांसद व नेता संजय सिंह ने कहा कि हम बिजली कटौती को लेकर आंदोलन करेंगे। आम लोगों के लिए एक नंबर जारी किया जाएगा और उनसे अपील की जाएगी कि उनके क्षेत्र में कितनी देर बिजली आ रही है इसे लेकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालें और सीएम व पीएम को टैग करें।

उन्होंने बताया कि आप केंद्र की ओर से लाए जा रहे विद्युत उपभोक्ता अधिकार अधिनियम में संशोधन का भी विरोध करेगी। इसके तहत रात में बिजली की दरें 20 फीसदी तक महंगी करने की तैयारी है। बिजली दरो में वृद्धि करने के प्रस्ताव का भी विरोध करेगी।

केंद्र और यूपी के बीच खींचतान, जनता परेशान

सांसद संजय सिंह ने कहा कि केंद्र और यूपी के बीच खींचतान के कारण यूपी की जनता भुगत रही है। मंत्री की एमडी और एमडी की मंत्री नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सीखना चाहिए। दिल्ली में 24 घंटे मुफ्त बिजली दी जा रही है। पर ऐशबाग ईदगाह के इमाम खालिद रशीद फरंगी महली, डॉ. यासीन अली उस्मानी, पूर्व न्यायाधीश हैदर अब्बास, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

भाजपा से समझौता चाहते हैं केजरीवाल

» माकन बोले-जेल जाने से बचने के लिए कर रहे जुगत

» पार्टी के खिलाफ भी बोल रहे और समर्थन भी मांग रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ विपक्ष से समर्थन मांगने निकली आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच जंग तेज हो गई है। अजय माकन ने कहा कि दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा से मिले हुए हैं और जेल नहीं जाना चाहते, अन्यथा उनकी जेल जाने की पूरी तैयारी हो चुकी है, क्योंकि भ्रष्टाचार किया है। पहले से ही उनके दो साथी जेल में हैं, वो उनको जेल से निकालना चाहते हैं। इसीलिए भाजपा नेताओं से समझौता करना चाहते हैं।

कहा कि वे विपक्ष एकता की बैठक के अंदर विपक्ष की एकता के लिए नहीं जा रहे, बल्कि विपक्ष की एकता को खंडित कैसा किया जा सके, इसलिए जा रहे हैं। कांग्रेस

नेता अजय माकन ने आप और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ आप कांग्रेस से समर्थन मांग रही है, दूसरी तरफ वे पार्टी के खिलाफ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके अरविंद केजरीवाल क्या चाहते हैं, क्या वे कांग्रेस का समर्थन लेना चाहते हैं या उससे दूरी बनाना चाहते हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने आगे कहा कि एक तरफ सीएम अरविंद केजरीवाल कांग्रेस का समर्थन मांग रहे हैं दूसरी तरफ राजस्थान जाकर पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक अशोक गहलोत, जो तीन बार के मुख्यमंत्री रहे हैं उनके खिलाफ बोल रहे हैं। सचिन पायलट और राजस्थान में पार्टी के जो वरिष्ठ नेता हैं, उनके खिलाफ बोल रहे हैं। ऐसा करके क्या वे कांग्रेस के साथ समझौता करना चाहते हैं या कांग्रेस से दूरी बनाना चाहते हैं।

अध्यादेश पर साथ नहीं आई कांग्रेस तो एकजुटता मुश्किल

आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है कि केंद्र सरकार के अध्यादेश का अगर कांग्रेस सार्वजनिक तौर पर विरोध नहीं करती तो गठबंधन के साथ जाना उसका संभव नहीं होगा। इस सूरत में आप ऐसे किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी, जिसमें कांग्रेस शामिल हो। आप ने दिल्ली में बयान जारी कर कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए पटना में 15 विपक्षी राजनीतिक दलों की बैठक हुई। इनमें से 12 का प्रतिनिधित्व राज्यसभा में है। कांग्रेस को छोड़कर दूसरे सभी 11 दलों भरोसा दिया कि वह केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली के लिए लाए गए अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग से जुड़े अध्यादेश के खिलाफ है। राज्यसभा में वह अध्यादेश का विरोध करेंगी।

साफ-सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को चुनाव में उतारेंगे : मायावती

कोऑर्डिनेटरों ने शुरू की प्रत्याशियों की तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बसपा प्रमुख ने अभी से उम्मीदवार तलाशने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत लगाने को कह दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी कोऑर्डिनेटरो को निर्देश दिए हैं कि अभी से उम्मीदवार तलाशने शुरू करें।

उन्होंने कहा है कि गैर विवादित व शिक्षित लोगों को ही उम्मीदवार बनाया जाए। इसके अलावा यह भी यह भी ध्यान दिया दें कि उम्मीदवार आपराधिक प्रवृति के न हों। सभी कोऑर्डिनेटरों ने यह तलाश शुरू कर दी है। बसपा विधानसभा चुनाव की गलतियों को दोहराना नहीं चाहती है। विधानसभा चुनाव में बसपा की ऐसी दुर्गति हुई कि उसका बस एक ही उम्मीदवार जीत पाया। यही कारण है कि इस बार उम्मीदवार चयन में फूंक फूंक पर कदम रखने को कहा गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने हाल ही में सभी कोआर्डिनेटरों की बैठक की है। सभी को संगठन मजबूती के लिए कहा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि बूथ कमेटियों तक को पूरी तरह से मजबूत किया जाए। खास तौर पर युवाओं को जोड़ा जाए। साथ ही महिलाओं को भी संगठन से जोड़ा जाए। इसके अलावा उम्मीदवारों के चयन पर फोकस किया गया। उसी आधार पर अब बसपा कोऑर्डिनेटरो ने उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है।

सामाजिक समीकरण पर भी देंगी जोर

विधानसभा चुनाव में बसपा ने मुस्लिमों को साधने की पूरी कोशिश की थी। भले ही इस फार्मूले से बसपा को सफलता न मिल पाई पर लोकसभा चुनाव में भी बसपा का फोकस दलित मुस्लिम समीकरणों पर ही है। बसपा थिंक टैंक का मानना है कि यदि मुस्लिम और दलित एक साथ आ गए तो वास्तव में बसपा को एक बड़ी सफलता मिल सकती है। एक आधार तैयार हो सकता है। चूंकि अब बसपा का दलित वोटर भी खिसकने लगा है तो बसपा को एक मजबूत आधार की तलाश है। उधर मुस्लिम भी एक मजबूत राजनीतिक समीकरण की तलाश में हैं। बसपा का मानना है कि यह समीकरण दलितों और मुस्लिम दोनों के लिए ही बेहतर होगा। इसलिए इसी समीकरण के आधार पर उम्मीदवार तलाशने को कहा गया है।

विपक्षी एकता दिलाएगा 24 में नया जनादेश

एक-दूसरे से मतभेद भुलाकर बनेगी रणनीति

- कांग्रेस ने कहा-सभी साथियों की बातों पर करेंगे विचार
- आप-टीएमसी-जदयू-द्रमुक ने संभाला मोर्चा
- कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पटना में जैसे विपक्ष ने एकजुटता के साथ 2024 लोकसभा चुनाव की वैतरणी को एक साथ पार करने का निर्णय किया है है वह एक अच्छा प्रयास है। हालांकि की इस बैठक में कुछ मुद्दों पर असहमति होते हुए भी चर्चा की गई। जिसमें सबसे अहम बात आम आदमी पार्टी की वह मांग जिसमें उसने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस उनका साथ दे तभी वह आगे गठबंधन के साथ रहने पर विचार करेगी। इस पर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है संसद के सत्र में इस पर विचार करेंगे। इसी के साथ पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के नेता उद्धव ठाकरे समेत उन नेताओं ने भी जोर देकर कहा कि आपसी मतभेदों को किनारे करके इसबार मोदी सरकार को सत्ता में आने से हर हाल में रोकना है।

अगली बैठक हिमाचल प्रदेश में होगी तब और बाते खुलेंगी। कुल मिलाकर अगर सब अपने मतभेद किनारे करे एक साथ भाजपा की सरकार के खिलाफ लड़ेंगे तो 24 में नया जनादेश आ सकता है। विपक्ष की इस सक्रियता पर हलांकि भाजपा ने खारिज करते हुए कह दिया है कि 24 में फिर से मोदी सरकार ही आएगी। साथ ही, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अपना तमिलनाडु दौरा रद्द करने को यहां विपक्षी एकता की कमजोरी के तौर पर देखा गया। वहीं रणनीतिक रूप से भाजपा शीर्ष केंद्रीय मंत्रियों एवं नेताओं- राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, योगी आदित्यनाथ को तमिलनाडु के कई हिस्सों में दौरे पर भेज रही है। और प्रधानमंत्री मोदी बनारस तमिल संगमम के जरिये तमिलनाडु में भाजपा के लिए एक मजबूत आधार बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

सब एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे: शिवराज

विपक्षी एकता पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए सांप, मेंढक, बंदर सब एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रियता की ऐसी बाढ़ है कि सब एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्षी एकता की बैठक को लेकर राजनीतिक वार-पटवार का दौर जारी है। भाजपा विपक्षी एकता की बैठक पर लगातार सवाल खड़े कर रही है। भाजपा का दावा है कि यह मात्र फोटो सेशन था। भाजपा यह भी कह रही है कि सभी परिवारवादी दल अपने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को बचाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भी बयान सामने आया है। उन्होंने

साफ तौर पर कहा है कि जब बाढ़ आती है तो सांप, मेंढक, बंदर सब एक साथ हो जाते हैं और पेड़ पर बैठ जाते हैं। वही स्थिति विपक्षी दलों की है। अपने बयान में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए सांप, मेंढक, बंदर सब एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रियता की ऐसी बाढ़ है कि सब एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं। कितनी बार भी एकता कर लें कुछ नहीं होने वाला। विपक्ष की बैठक पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 2024 की तस्वीर साफ हो रही है, पीएम मोदी तीसरी बार इस देश के पीएम बनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के बीच मुझे कोई एकता नजर नहीं आ रही है।

तमिलनाडु में द्रमुक पर भाजपा ने बढ़ाया दबाव

तमिलनाडु में कांग्रेस के प्रमुख सहयोगी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) पर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का जबर्दस्त राजनीतिक दबाव है। तमिलनाडु में हालांकि द्रमुक कमजोर हो गई है, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पटना से लेकर अन्य क्षेत्रीय दलों के मुख्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं। इससे यह समझा जा सकता है कि द्रमुक अपनी मौजूदा राजनीतिक स्थिति से परेशान है। और इसका कारण यह है कि तमिलनाडु में भाजपा लगातार बढ़त बना रही है। तमिलनाडु में कांग्रेस अपने संगठन का विकास नहीं कर रही है, बल्कि पूरी तरह से द्रमुक पर निर्भर है।

विपक्षी एकता कभी नहीं होगी : ब्रजेश पाठक

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा पूरी 80 सीटे जीतेगी, विपक्ष यहां पूरी तरह से साफ है। विपक्षी एकता कभी नहीं होगी क्योंकि ये कुर्सी के लिए एकत्रित हुए हैं जबकि भाजपा देश के लिए

लड़ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पटना की बैठक विपक्ष के लिए दुर्घटना की तरह हो गई है। विपक्ष के पास नरेंद्र मोदी के ख़िलाफ़ कोई भी नेता नहीं है। विपक्षी दलों का एकत्रीकरण सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के नाम का खौफ है। 2024 में किसी के ऊपर हार का ठीकरा न फूटे इसलिए भी यह लोग साथ आए हैं।

देश को बिहार से मिलेगी फिर नई दिशा : तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी है। इस धरती पर समय-समय पर बड़े-बड़े लोगों ने बड़े-बड़े आंदोलन किए हैं। चाहे गांधी जी का चंपारण में आंदोलन हो या फिर जयप्रकाश नारायण का आंदोलन का। इससे देश को नई दिशा मिली है। पटना में विपक्षी दलों की बैठक हुई। इस बैठक में विपक्षी दलों के नेताओं ने भाजपा के खिलाफ एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही है। हालांकि, दिल्ली को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश पर एकराय नहीं बन पाने के आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल की नाराजगी की भी खबर है। इसी को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से पत्रकारों ने सवाल पूछा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कहीं कोई नाराजगी नहीं है सब कोई भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि सारी बातें स्पष्ट हो चुकी है इसमें ज्यादा किसी को कुछ नहीं कह रहे। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की धरती लोकतंत्र की जननी है। इस धरती पर समय-समय पर बड़े-बड़े लोगों ने बड़े-बड़े आंदोलन किए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम सब जनता की मांग पर एक साथ हुए हैं और अगला चुनाव जनता का ही चुनाव है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बैठक में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के नेता मौजूद रहे। हमने फासीवादी ताकतों के खिलाफ एकजुट रहने का फैसला किया है। हम लोगों की मांग के अनुसार एकजुट हुए हैं। यह लोगों का चुनाव है। कोई नाराज नहीं है और बैठक सार्थक रही।

अन्नाद्रमुक से जुड़ रही भाजपा

इससे ऐसा लगता है कि 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) और भाजपा गठबंधन बेहतर प्रदर्शन करेगा। अन्नाद्रमुक के पक्ष में जमीनी स्तर पर हलचल दिख रही है। राज्यपाल आरएन रवि और द्रमुक के मुख्यमंत्री स्टालिन के बीच तकरार जारी है, जबकि जनता का मानना है कि इस झगड़े से बचा जा सकता था। लेकिन द्रमुक द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों का मुद्दा उठाना और उन्हें पानी-पूरी बेचने वाला कहना भी तमिल जनता को रिझा नहीं पाया है। मतदाताओं को लगता है कि द्रमुक को परेशान करने के लिए नरेंद्र मोदी ने जान-बूझकर राज्यपाल आरएन रवि को तमिलनाडु भेजा है। तमिलनाडु में भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई कहते हैं, हां, यह एक राजनीति है।

आज की स्थिति 1974-75 से भी बदतर है : ललन सिंह

ललन सिंह ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर पलटवार करते हुए कहा कि वे क्या बोलेंगे, उनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि 1974-1975 में हमारी लड़ाई इंदिरा गांधी से नहीं, बल्कि शासन से था। आज की स्थिति 1974-75 से भी बदतर है। बिहार में विपक्षी दलों की बैठक को लेकर राजनीतिक बवाल जारी है। भाजपा जबरदस्त तरीके से विपक्षी दलों पर निशाना साधा रही है। भाजपा लालू यादव और नीतीश कुमार पर निशाना साध रही है। भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि कांग्रेस के खिलाफ नीतीश कुमार और लालू यादव ने इमरजेंसी के दिनों में लड़ाई लड़ी। आज उसी कांग्रेस की गोद में जाकर वे दोनों बैठ गए हैं। इसी को लेकर जदयू अध्यक्ष ललन सिंह का बयान आया है। ललन सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि आज इमरजेंसी से भी बदतर स्थिति है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारतीय टीम के चयन पर सवाल

भारतीय टीम जुलाई में वेस्टइंडीज़ का दौरा करने वाली टीम को लेकर बीसीसीआई की चौतरफा आलोचना हो रही है। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने चेतेश्वर पुजारा को टीम न रखने पर सवाल उठाए है। तो वहीं सरफराज खान व कई अच्छे खिलाडियों को मौका ने देने पर भी सवाल उठ रहें हैं। बहुत से लोग आरोप लगा रहे है आईपीएल खेलने वालों का तरजीह दी गई है। पूर्व ओपनर वसीम जाफर ने भी टीम पर आपत्ति की है। लोगों ने अन्य खिलाड़ियों के परफारमेंस पर भी प्रश्न किया है। शुक्र वार को वनडे और टेस्ट टीम का एलान कर दिया गया। इस बार बोर्ड की ओर से टेस्ट टीम में कई बदलाव किए गए। टेस्ट टीम में यशस्वी जयासवाल, मुकेश कुमार और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। हालांकि, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में धमाल मचाने वाले सरफराज़ खान का नाम टेस्ट टीम से गायब रहा। सरफराज खान का नाम टेस्ट टीम में न देखकर पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने बीसीसीआई की जमकर आलोचना की।

आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर क्यों सरफराज को बार-बार इग्नोर किया जा रहा है। बोर्ड को ये बात पब्लिक करनी चाहिए कि उन्हें सरफराज़ के बारे में क्या नहीं पसंद, आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस बारे में बात की। सरफराज़ को क्या करना चाहिए? अगर बीते तीन सालों में उसके आंकड़ों को देखेंगे, तो वह बाकी लोगों से ऊपर है। उसने हर जगह रन बनाए हैं, फिर भी, अगर उसे नहीं चुना जाता है। यह पूछने लायक सवाल है. अगर कोई और कारण है, कुछ ऐसा जो आप और मैं नहीं जानते हैं, तो इसे पब्लिक करें। मुंबई से खेलने वाले सरफराज़ खान अब तक 37 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं। इन मैचों की 54 पारियों में बल्लेबाज़ी करते हुए उन्होंने 79.65 की औसत से 3505 रन बनाए हैं। वहीं पूर्व भारतीय ओपनिंग बल्लेबाज वसीम जाफर ने अब टेस्ट टीम के चयन पर 3 अहम सवाल पूछे हैं। उसमें पहला उन्होंने टीम में 4 ओपनिंग बल्लेबाजों को शामिल करने के फैसले पर निशाना साधा है। जाफर ने अपने ट्वीट में लिखा कि सिर्फ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 4 ओपनिंग बल्लेबाजों को शामिल करने का फैसला समझ से परे है। मैं बीसीसीआई से पूछना चाहता हूं कि इसकी जगह एक मध्यक्रम के अतिरिक्त बल्लेबाज को शामिल क्यों नहीं किया गया। सरफराज को टीम में जगह दी जानी चाहिए थी। बिना पुजारा के टीम का मध्यक्रम थोड़ा कमजोर दिखता है। नंबर 3 पर कौन बल्लेबाजी करेगा यह भी तय नहीं है। बीसीसीआई को चयन प्रक्रिया में कुछ बदलाव की जरूरत है।

“ हालांकि, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में धमाल मचाने वाले सरफराज़ खान का नाम टेस्ट टीम से गायब रहा। सरफराज खान का नाम टेस्ट टीम में न देखकर पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने बीसीसीआई की जमकर आलोचना की। आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर क्यों सरफराज को बार-बार इग्नोर किया जा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जागरूकता से सत्ताधीशों की निरंकुशता पर नकेल

विश्वनाथ सचदेव

स्वतंत्र भारत के इतिहास में 25 जून को एक काले अध्याय की शुरुआत के रूप में याद किया जाता है। अढ़तालीस साल पहले इसी दिन भारत में आपातकाल की घोषणा की गयी थी। कारण यह बताया गया था कि समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश के विरोधी दल, भारत की शांति-व्यवस्था को भंग करने पर आमादा हैं। न तब इस कथित कारण को देश की जनता ने स्वीकारा था और न अब यह बात आसानी से जनता के गले उतर सकती है कि विपक्ष ने शासन-व्यवस्था के खिलाफ ऐसा वातावरण बना दिया था कि देश में अराजकता फैलाने का खतरा था। निश्चित रूप से 25 जून, 1975 को भारत के इतिहास में एक ऐसा काला अध्याय लिखा गया था जिसने जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों की धज्जियां उड़ा दी थीं।

आज भी कांग्रेस पार्टी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की इस 'भूल' का खमियाजा भुगत रही है। आज भी कांग्रेस-विरोधी दल, जिनमें वर्तमान सत्तारूढ़ दल प्रमुख है, आपातकाल के नाम पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। हालांकि कांग्रेस यह दावा कर सकती है कि इंदिरा गांधी ने घोषणा के उन्नीस माह बाद ही आपातकाल हटा कर और चुनाव करवा कर, अपनी भूल को ठीक करने का प्रयास किया था, लेकिन इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 1975 में आपातकाल की घोषणा ने जनतांत्रिक भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा था। सवाल उठता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने ऐसा कदम उठाना क्यों जरूरी समझा? क्या सचमुच तब देश में ऐसी अराजकता की स्थिति उपस्थित हो गयी थी कि आपातकाल घोषित करना ज़रूरी हो गया? आपातकाल के समर्थन में तर्क तब भी दिए गये थे, यहां तक कि महात्मा गांधी के अनन्य शिष्य विनोबा भावे तक ने इसे 'अनुशासन पर्व' का नाम देकर इस अजनतांत्रिक कार्रवाई को समर्थन दिया था। लेकिन देश की जनता ने ऐसे किसी भी तर्क को नहीं स्वीकारा। लगभग दो साल के आपातकाल के बाद हुए चुनावों में इंदिरा गांधी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा।

यह बात दूसरी है कि तब बनी जनता पार्टी की सरकार ज्यादा समय तक टिक नहीं पायी थी, पर इस परिवर्तन ने यह अवश्य दिखा दिया था कि तानाशाही तौर-तरीकों से यह देश नहीं चलाया जा सकता। इंदिरा गांधी को हराकर जनता पार्टी को जिता कर, और फिर जल्दी ही जनता पार्टी की

सरकार की जगह इंदिरा गांधी की सरकार को अवसर देकर देश की जनता ने यह बता दिया था कि देश जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के अनुरूप ही चल सकता है। तानाशाही, भले ही वह किसी भी रूप में हो, देश की जनता को स्वीकार्य नहीं है। अब यह एक खुला रहस्य है कि 1975 में इंदिरा गांधी ने कथित अराजकता का मुकाबला करने के लिए आपातकाल लागू नहीं किया था। सत्ता में बने रहने की लालसा ने ही उन्हें तब यह घोर अजनतांत्रिक कदम उठाने के लिए बाध्य किया था। इस कार्रवाई के पीछे कहीं न कहीं यह भावना भी काम कर रही थी कि जनता इंदिरा गांधी के 'चमत्कारी व्यक्तित्व' से भी सम्मोहित है। तानाशाही तरीकों से यह देश नहीं चलाया जाना चाहिए, न ही चलाया जा सकता। बहरहाल, आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार ने संविधान में उचित और आवश्यक संशोधन करके ऐसी व्यवस्था कर दी थी कि फिर कोई शासक सत्ता के मोह में पड़कर आपातकाल लागू करने जैसी बात न कर सके। लेकिन यह खतरा तो हमेशा बना ही रहेगा कि कोई शासक अपनी लोकप्रियता के भ्रम में तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ जाये। इसलिए ज़रूरी है कि हर 25 जून को देश की जनता आपातकाल को याद करे, जनतांत्रिक भारत के इतिहास के उस काले अध्याय के संदर्भ में चिंतन करे कि क्यों और कैसे कोई शासक तानाशाही रवैया अपनाने के लालच में पड़ सकता है। ऐसे में किसी शासक को यह भ्रम होना भी मुश्किल नहीं है कि वह तो गलती कर ही नहीं सकता, कि जनता उसकी गलतियों को ज़्यादा तरजीह नहीं देगी।

जनतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी स्थिति का आना खतरनाक है। नागरिकों की जागरूकता ही इस खतरे से बचने का तरीका है। वैसे तो चुनाव के अवसर पर इस जागरूकता को परखा जा सकता है, पर जैसे कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था, 'जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करती', यह जरूरी है कि जनता में जागरूकता अनवरत बनी रहे। इंतजार न करने का मतलब यही है कि जनता चौकन्नी रहे। मतदाता का काम वोट देकर किसी को सिंहासन पर बिठाना ही नहीं है, उसे यह भी लगातार देखते रहना होता है कि उसका चुना हुआ शासक सत्ता की अपनी ताकत का शिकार तो नहीं हो रहा। वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था जो 1977 तक चला। ये अर्सा सत्ता के आतंक की कथा सुनाता है।

हिमालयी टीस को महसूस करने की जरूरत

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

उत्तराखंड में जून, 2013 की आपदा को हर समय याद किया जायेगा। खासकर जब इस आपदा को एक दशक भी पूरा हो गया है। सरकारों के पुनर्निर्माण व पुनर्वास कार्यों का लेखा-जोखा तो लगातार लिया ही जा रहा है। नैनीताल हाईकोर्ट में भी यह मसला जाता रहा है। वर्ष 2014 में कपाट बन्द होने के बाद जीवट वाले लोग केदारनाथ में ही रहकर बर्फीले तूफानों में काम करते रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वहां ऐसी हवाई पट्टी भी बनाई जहां भारतीय वायुसेना का विशालकाय भारवाहक हेलिकॉप्टर उतर सकता था। यहां आपदाओं का सामना करने की रणनीति लगातार तय की जाती है। इधर 2023 में क्षेत्र में हिमस्खलन भी हुए हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ही सही, सहमे हुए लोग, आगे फिर कुछ ऐसा ही न घट जाये, की आशंका में जी रहे हैं। बहस इस पर भी हो रही है कि क्या 2013 की भयावह आपदा से हमने कुछ सीखा भी या नहीं। या केवल यंत्रवत केदारपुरी को सुविधायुक्त भव्यता वाला कस्बा बनाने में ही लगे रहे। हम में जनता और सरकार दोनों शामिल हैं।

वर्ष 2013 की आपदा के बाद चमोली, रुद्रप्रयाग जिलों में आपदा क्षेत्र में काम करने वालों व आपदा झेले लोगों के बीच विभिन्न भूमिकाओं में रहने, अध्ययन व सर्वेक्षणों में शामिल रहने के अवसर भी मिले थे। इन्ही परिप्रेक्ष्यों में ये तथ्य रेखांकित करना चाहिए कि कुछ मामलों में, कोई चाहे या न चाहे, आपदा ने सरकार व लोगों को सीखने के लिए तब मजबूर भी किया था। लेकिन नीतियों, कार्यशैलियों व सोच में वे ज्यादा दिन न बनी रह पाईं। यह श्मशान वैराग्य जैसा था। ये, वो बातें हैं, जिन्हें सामाजिक कार्यकर्ता या विशेषज्ञ जब पहले कहते थे, तो कोई ध्यान नहीं देता था। यहां कुछ बातों का उल्लेख जरूरी है, जिन्हें धरातल में महसूस किया गया। छिन्न-भिन्न आजीविका को पटरी पर लौटाने के लिए क्या कार्यक्रम किये जायें, ये जानने के लिए आज भी यदि आप आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जायें तो एक स्वर से आप ये सुनेंगे कि हम ऐसी आजीविका अपनाना चाहते हैं, जो केवल तीर्थयात्रियों के भरोसे न हो। मौसम की मार या कोरोना जैसी महामारियां स्थानीय लोगों के नियंत्रण में तो नहीं हैं। यहां यात्रा काल में मौसम क्या गुल खिलायेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता है। बेमौसमी बर्फबारी होती रही है। स्थानीय लोग पहले यात्रियों से यात्रा सीजन में ही इतना कमाने पर भरोसा करते थे, जो उन्हें बाकी के माहों के लिए पर्याप्त रहे। किन्तु 2013 की आपदाओं में खच्चरों को गंवा चुका खच्चर वाला भी फिर से खच्चर लेने के पहले इसका भी हिसाब-किताब कर रहा था कि, उसके खच्चरों के लिए आस-पास में ही कितना काम मिल जायेगा। अन्यथा, यात्रियों के भरोसे न रहकर वह अपना कोई दूसरा काम करने की सोच रहा था। चूंकि दुखद स्थितियों में अब केदार क्षेत्र के कई परिवारों को चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं पर आ गई थी तो, इसलिए भी तब उन्होंने आजीविका के उन्हीं कार्यों को अपनाना पसन्द किया था, जिनमें उन्हें बाहर न जाना पड़े। गाय-भैंस पालन, टेलरिंग, बागवानी, दुकान चलाने जैसे काम उन्होंने अपनाये थे। इनको दक्षता देने व इनके समूह बनाने के जो काम होने चाहिए थे, वे नहीं हुए क्योंकि वे परियोजनाओं पर निर्भर थे। इसी प्रकार पहले तक जब उत्तराखंड के आंदोलनकारी भोग-विलास वाले, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पर्यटन व तीर्थाटन को बढ़ावा न देने के लिए चेताते थे तो कोई नहीं सुनता था, परन्तु जून, 2013 की आपदा के बाद स्थानीय लोग ही, जिनमें व्यवसायी भी थे, कहते हुए मिल रहे थे कि यह तो होना ही था। क्योंकि, जो कुछ तीर्थों में नहीं होना चाहिए था, उसको भी करने में यहां परहेज नहीं होता था। आज खुद ही वे अपने व्यावसायिक आचरण को भी सवालों के घेरे में रखने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। अवैध शराब की खेपें आज भी क्षेत्र में पकड़ी जाती हैं। तीर्थ यात्रा में पर्यटन का कोण तो आज और ही ज्यादा विस्तार ले रहा है। पिछली आपदा ने मजबूरन लोगों को इस तथ्य को भी देखने को मजबूर किया है कि जहां-जहां नदियों के तटों पर अतिक्रमण हुआ, और जहां-जहां सड़कों व परियोजनाओं का मलबा पड़ा, वहां नदियों ने विनाश भी किया व अपनी राह भी बदली। अत: एक तरफ तो नदियों को उनकी जमीन लौटाने व उनके अविरल बहने के पक्ष में, और दूसरी तरफ मशीनों से मनमानी, पहाड़ों को अस्थिर करने वाले कटानों के विरुद्ध जनमत बना है। तब कई जगहों पर लोग जेबीसी मशीनों द्वारा पहाड़ों के बेतरतीब कटान के विरुद्ध खड़े हुए थे। खास बात यह रही कि ऊपर के बसे गांव वालों ने भी नीचे की सड़क कटानों का कई जगह विरोध किया था क्योंकि, इससे वे अपने खेतों व मकानों की नींवों के कमजोर होने व ढहने का खतरा देख रहे थे। वैकल्पिक जंगल के रास्तों, पैदल मार्गों को ढूंढ़ने, उनको मजबूत करने, जलस्रोतों को पुन: संरक्षित करने, पलायन रोकने, यात्रियों की संख्या सीमित करने, उनको पंजीकृत करने, मौसम की चेतावनी पर यात्रा को सीमित करने के सरकार के आज होते काम भी आपदा से मजबूरी में ली गई सीख ही मानी जा सकती है।

इनसे स्थानीय स्तर पर कुछ लाभ नहीं होने वाला है। उल्टे जमीन व पर्यावरण को खतरे बढ़ेंगे ही। जरूरत है कि आधुनिक तीर्थधामों को पर्यटन स्थल बनाने के सपने जमीन पर उतारने के सापेक्ष 2013 की केदार त्रासदी के बाद जो सततता के विकास की चाह आम प्रभावित स्थानीयों में उपजी थी, उसकी हकीकत भी जमीन पर उतारें। हिमालयी क्रंदन को अरण्य रोदन होने से बचायें।

दूध का करें इस्तेमाल

गर्मियों में ग्लो करेगी त्वचा

गर्मियों के मौसम में खुद को तरोताजा रखना बेहद जरूरी होता है। लोग तो दिन में दो बार नहाने की सलाह देते हैं, ताकि स्किन पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया जमा ना हों। गर्मियों में लोग जब भी तेज धूप में घर से बाहर निकलते हैं तो सनबर्न, टैनिंग जैसी समस्या का होना बेहद आम बात है। अगर स्किन केयर की बात करें तो जिस तरह से सर्दी के मौसम में स्किन का ध्यान रखता जाता है, ठीक उसी तरह से गर्मी और बरसात के मौसम में भी त्वचा का ध्यान रखना जरूरी होता है। अगर आप भी धूप से होने वाली टैनिंग, सनबर्न, खुजली और एलर्जी से अपनी त्वचा को बचाना चाहते हैं तो दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपकी त्वचा को कई तरह की परेशानियों से बचाकर रखते हैं।

त्वचा पर आता है निखार

नहाने के पानी में एक कप दूध डालकर नहाने से आपकी स्किन पर निखार आता है। इससे चेहरे के दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं। रोजाना इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन पर चमक भी आती है।

संतरे के छिलका

सबसे पहले संतरे के छिलके को मिक्सी में पीस लें। अब इसमें 2 चम्मच गुलाब जल डालें। इसे अच्छे से मिला लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर तक हल्के हाथों से स्क्रब करें। इससे डेड स्किन रिमूव हो जाएगी। कम से कम 3-5 मिनट तक चेहरे को रब करने के बाद त्वचा को साफ कर लें। इस पेस्ट को हफ्ते में 3 बार चेहरे पर लगाएं और निखार देखें।

दूध और शहद फेस पैक

अपने फेस के लिए आपको दूध और शहद का इस्तेमाल करना चाहिए। यह तो सभी जानते हैं कि दूध एक नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है और शहद एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है। इसको या फिर इससे बने फेस पैक को इस्तेमाल से करने से आपकी डेड स्किन रिमूव होती है, जिससे आपकी त्वता की चमक बढ़ती है।

केसर से बना फेस पैक

1 चम्मच शहद में थोड़ा सा केसर डालें। केसर को कुछ देर शहद में भिगने दें। सबसे पहले चेहरे और गर्दन पर केसर का पेस्ट लगाएं। फिर 10 मिनट बाद फेस क्लीन कर लें। ध्यान रहे चेहरे को साफ करने के लिए फेस वॉश का इस्तेमाल न करें। इस पेस्ट को हफ्ते में 2-3 बार चेहरे पर जरूर लगाएं।

दूर होगी ड्राई स्किन की समस्या

गर्मी के मौसम में कई लोगों की स्किन बेहद ड्राई हो जाती है। अगर आपके साथ भी ये परेशानी हे तो रोजाना नहाने के पानी में आधा कप दूध डाल लें। इससे आपके त्वचा की नमी बरकरार रहेगी। ये स्किन की नमी को लॉक करके रखता है। आप इसका इस्तेमाल रोजाना कर सकती हैं।

एलर्जी रहेगी दूर

अगर आपकी स्किन पर खुजली, रैशेज और दाने की समस्या है तो आप नहाने के पानी में दूध डाल कर इससे बचाव कर सकते हैं। ऐसा करने से आपकी स्किन में कसाव भी रहेगा।

एंटी एजिंग की तरह करता है काम

स्किन पर दूध का इस्तेमाल आपकी स्किन के लिए एंटी एजिंग का काम करेगा। इससे त्वचा का ढीलापन दूर होता है और चेहरा ग्लो करता है। आप एक्ने की समस्या को खत्म करने के लिए इसको इस्तेमाल रोज कर सकती हैं।

हंसना मना है

भाई ने रसोई में गैस पर कूकर चढ़ा सेल्फी वाली पोस्ट डाली की और लिखा बीवी मायके गयी है और मुझे चाय बनानी है, कुकर में कितनी सिटी लगाऊं? किसी ने कहा-कुकर में ऑलरेडी एक सीटी लगी है और कितनी लगाएगा, किसी ने कहा बेवकूफ चाय कुकर में थोड़ी बनती है कड़ाही चढ़ा, एक बोला- पहले दो घण्टे चाय पत्ती भिगो ले ,दो तीन सीटी में काम चल जाएगा, किसी ने सुझाया खिड़की पर जाके एक सीटी बजा, पड़ौसन दे जाएगी?

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया- गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

कहानी | किसान और ठगने वाले परिवार

एक गरीब किसान के पास एक छोटा-सा खेत और एक बैल था। बड़े परिश्रम से उसने डेढ़ सौ रुपए इकट्ठे किए और एक और बैल पशु हाट से खरीदा। रास्ते में लौटते समय उसे चार लड़के मिले, जिन्होंने उससे बैल खरीदना चाहा। किसान ने सोचा कि यदि मुझे डेढ़ सौ से अधिक मिल गए तो बेहतर बैल खरीदूंगा। उसने बैल की कीमत लड़कों को दो सौ बताई। वे बोले कि कीमत तो ज्यादा है। किसी समझदार व्यक्ति को पंच बनाकर फैसला करा लेते हैं।' वास्तव में चारों लड़के एक ठग पिता की संतान थे और उन्होंने अपने पिता को ही पंच बना दिया। पिता ने बैल की कीमत मात्र पचास रुपए तय की। वचन से बंधे किसान को बैल पचास रुपए में बेचना पड़ा, किंतु वह इस धोखे को समझ गया। अगले दिन किसान सुंदर महिला के वेश में चारों भाइयों से मिला। उन्होंने विवाह की इच्छा व्यक्त की। तब वह बोला कि जो सबसे पहले मेरे लिए बनारसी साड़ी, मथुरा के पेड़े और सहारनपुर के आम लाएगा, मैं उसी से शादी करूंगी।' चारों शहर की ओर दौड़ पड़े। तब ठग पिता को अकेले में किसान ने खूब पीटा और अपना धन वापस ले लिया। चारों लड़के वापस लौटे तो पिता को बेहाल पाकर मन मसोसकर रह गए, क्योंकि किसान का पता तो जानते नहीं थे। अगले दिन किसान हकीम बनकर वृद्ध ठग की चोटों का उपचार करने पहुंचा और लड़कों को चार जड़ी-बूटी लाने भेज दिया। इस बार उसने ठग की पिटाई कर अपना बैल छुड़ा लिया। चारों भाई लौटे तो पिता को और बदतर अवस्था में पाया। उन्होंने प्रण लिया कि कभी किसी के साथ ठगी नहीं करेंगे।

कथा का सार-अन्यायी को अंततः बहुत बुरा परिणाम भोगना पड़ता है और तब उसे अपने किए पर घोर पश्चाताप होता है।

7 अंतर खोजें

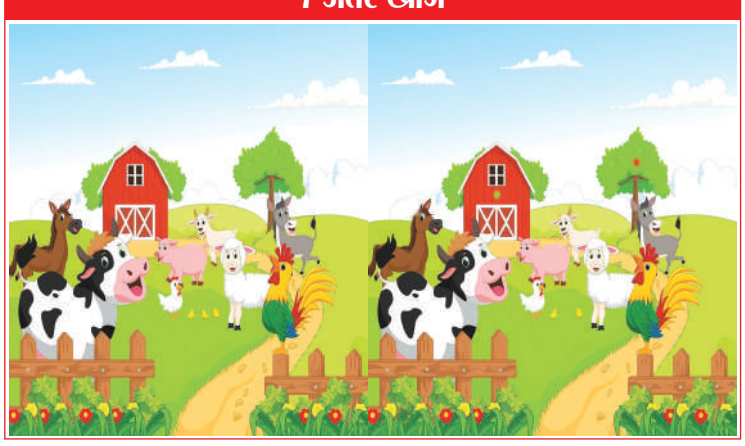

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज उन चीज़ों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आज आपको अपने परिवार और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

वृषभ

आज आप में से कुछ की रचनात्मकता चरम पर होगी लेकिन वित्तीय दबाव हो सकता है। धन संबंधी मामलों को समझदारी से निपटाया जाना चाहिए।

मिथुन

आज का दिन हर्षो-उल्लास से भरा रहने वाला है। आज आपको खूब सारी पहचान मिलने वाली है ।आज आप जिस मुकाम पर हैं वो आपकी अच्छी संप्रेषण कला की वजह से है।

कर्क

आज का दिन भाग-दौड़ वाला हो सकता है। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होंगे और आपका उत्साह आपको साहस एवं बल प्रदान करेगा।

सिंह

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं, जिसके बारे में जीवनसाथी से अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट रूप से बता देना सही रहेगा।

कन्या

आज आप में से कुछ के जीवन में अप्रत्याशित रूप से कुछ घटित हो सकता हैं। विदेशी संपर्क वाले लोग व्यावसायिक गतिविधि में उतार-चढ़ाव अनुभव कर सकते हैं।

तुला

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। किसी समारोह में खुद को अकेला महसूस करेंगे। इससे निजात पाने के लिए सकारात्मक सोच का सहारा लें और लोगों से बेझिझक बात करें।

वृश्चिक

आय अच्छी रहेगी, किन्तु बेकार की गतिविधियों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा। आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु

आज आर्थिक योजनाओं में किया गया निवेश लाभप्रद होगा। अपनों के साथ सहयोगात्मक रूख अपनाना होगा वरना रिश्तों में बेवजह खटास आ सकती है।

मकर

किस्मत आपका साथ देगी और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं गतिशील हो सकती हैं। पारिवारिक परिवेश में काफी समय से लंबित कार्य आज पूरे किए जा सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन कुछ मिला-जुला रहने वाला है। दूसरों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। जो काम करना है या जो जिम्मेदारी आपको मिली है, उसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लें।

मीन

आज का दिन आपके लिए बहुत उत्साहजनक नही है। आज कार्यों में देरी और बाधाएं प्रबल होंगी। हालांकि पारिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

करोड़पतियों को चूना लगा मनीष पॉल हुए 'रफूचक्कर'

इन दिनों OTT प्लेटफॉर्म पर एक से बढ़कर एक सीरीज और फिल्म देखने को मिल रही हैं। जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हुई रफूचक्कर भी इन्हीं सीरीज में से एक है। सीरीज में मनीष पॉल लीड रोल में हैं। रफूचक्कर में वो एक नहीं, बल्कि कई किरदार निभाते दिखे। वेब शो में उन्होंने एक नहीं, बल्कि कई किरदार निभाए। आम फैमिली का आम इंसान हो या कॉन मैन, मनीष अपने हर रोल के साथ जस्टिस करते दिखते हैं। उन्होंने सीरीज के लिए पहले अपना 10 किलो वजन बढ़ाया था। इसके बाद उन्हें फिर रोल के लिए 15 किलो वजन कम करना पड़ा। एक सीरीज में मनीष के अलग-अलग रंग कहानी को मजेदार बनाते हैं।

मनीष पॉल के अलावा सीरीज में पुलिस का रोल निभाने वाली अक्षा पर्दासनी भी अच्छा काम करती दिखीं। इससे पहले उन्हें जामताड़ा में पुलिस के रोल में देखा गया था। मराठी एक्ट्रेस प्रिया बापत रफूचक्कर में वकील का अहम रोल निभाती दिखीं। करप्ट पॉलिटिशियन और बिजनेसमैन के किरदार में सुशांत सिंह की एक्टिंग भी आपको एंटरटेन करती है।

ऐसा नहीं है कि कॉन मैन पर पहले कोई फिल्म या सीरीज नहीं बनी है। पर रफूचक्कर में कई सारे नए और पुराने एलिमेंट्स को जोड़ा गया है। हर एपिसोड की कहानी एक नए ट्विस्ट के साथ सामने आती है। सीरीज की कहानी आपको एक पल के लिए भी स्क्रीन पर से हटने नहीं देती। रफूचक्कर में क्राइम भी है और इमोशनल एंगल भी। सीरीज की कहानी तो अच्छी है ही, एक्टर्स की दमदार एक्टिंग इसे और दिलचस्प बनाती है।

रफूचक्कर चंद बेहतरीन सीरीज में से एक है। इसलिए इसे ना देखने की कोई वजह नहीं दे सकते हैं। फिर भी अगर आप रोमांटिक और कॉमेडी फिल्मों-सीरीज के शौकीन हैं, तो रफूचक्कर की कहानी आपको पसंद नहीं आएगी।

सीरीज का निर्देशन रितम श्रीवास्तव ने किया है। रितम ने सीरीज में हर एक सीन को काफी बेहतरीन तरीके से स्क्रीन पर पेश किया है। रफूचक्कर के निर्देशन में उन्होंने हर छोटी से छोटी चीज पर फोकस किया, जो स्क्रीन पर आपको रिलेटेबल लगता है। रफूचक्कर की कहानी नैनीताल में रहने वाले पवन कुमार बावरिया (मनीष पॉल) की है। पवन कुमार बावरिया लोन लेकर अपना बिजनेस चला रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने अपने पिता को खुश करने के लिए लोन पर कार भी ली। पवन एक मीडिल क्लास फैमिली से है, जो बिजनेस करके अपने परिवार को बेहतर लाइफ देना चाहते हैं। वो आम आदमी की तरह अपनी फैमिली के साथ खुशहाल लाइफ जी रहे होते हैं, तभी उन पर बहरूपिया बनकर करोड़ों की ठगी करने का आरोप लग जाता है।

बॉलीवुड | मन की बात

अवनीत कौर ने नवाजुद्दीन की जमकर की तारीफ

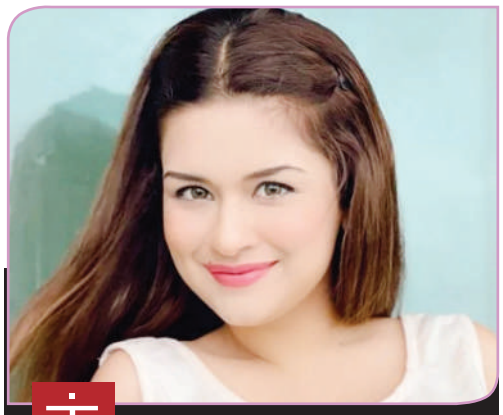

कंगना रनौत के प्रोडक्शन की पहली फिल्म टीकू वेड्स शेरू इन दिनों हर तरफ सुर्खियों में है। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अवनीत कौर नजर आएंगी, जो काफी टैलेंटेड और बॉलीवुड की राइसिंग स्टार हैं। फिल्म में नवाज और अवनीत की जोड़ी को लोगों की जबरदस्त अटेंशन मिल रही है क्योंकि जहां नवाज फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं और अपनी बहुमुखी प्रतिभा से पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। वहीं अवनीत ने बारह साल पहले बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत की थी, और अब उन्हें अपकमिंग टीकू वेड्स शेरू में मुख्य भूमिका के रूप में एक बड़ा रोल हासिल हुआ है। ऐसे में इस फिल्म में नवाज के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना अवनीत के लिए वकाई एक शानदार अनुभव रहा है। हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार विनर एक्टर नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात करते हुए अवनीत कौर ने साझा किया, उन्होंने कहा नवाज सर में अपने काम को लेकर जो गंभीरता और समर्पण है, वह तारीफ के काबिल है। हम अभिनेताओं के लिए ऑन और ऑफ रहना बेहद जरूरी है। जब एक अभिनेता स्क्रीन पर होता है, तो वे स्क्रीन पर होता हैं, आप उस समय खुद को किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होने दे सकते। वह अपने काम को लेकर इतने सीरियस, पैशनेट और डेडिकेटेड हैं कि वह उस समय उस पल में मौजूद होते हैं। वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने नवाज सर से सीखा है, और एक अभिनेता के रूप में अपनी यात्रा में मैं कुछ न कुछ अपने साथ लेकर चलूंगी, चाहे मैं कितने भी प्रोजेक्ट करूं। साई कबीर श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित टीकू वेड्स शेरू कंगना रनौत की डेब्यू प्रोडक्शन वेंचर है। ये फिल्म 23 जून को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

जन्नत जुबैर की अदाओं ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड | गपशप

मशहूर टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर अपने स्टाइलिश लुक्स और ड्रेसिंग सेंस के कारण अक्सर चर्चा में आ जाती हैं। आज जन्नत किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। उन्होंने सिर्फ अपने दम पर इंडस्ट्री में एक खास जगह बना ली है। बहुत छोटी सी उम्र में ही जन्नत को एक ऊंच मुकाम हासिल हो चुका है। फैंस उनके एक झलक देखने के लिए बेताब रहने लगे हैं।

जन्नत भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो गई हैं। अब फिर से एक्ट्रेस ने अपना किल अंदाज दिखाया है। लेटेस्ट फोटोशूट में जन्नत काफी स्टाइलिश दिख रही हैं। इस फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने ब्लैक बॉडी फिट क्रॉप टॉप कैरी किया है। इसे उन्होंने डेनिम जीन्स के साथ पेयरअप किया है।

जन्नत ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आईज से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को वेवी टच के साथ ओपन रखा है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर जन्नत ने हाथ में एक खूबसूरत सा गोल्ड का ब्रेसलेट कैरी किया है। एक्ट्रेस इस लुक में भी बहुत हॉट दिख रही हैं। वहीं, उन्होंने अपनी अदाएं दिखाते हैं कैमरे के सामने कई पोज दिए हैं।

गौरतलब है कि जन्नत लगातार कई प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। टीवी शोज के अलावा उन्हें फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज के लिए भी देखा जा रहा है। हालांकि, फिलहाल एक्ट्रेस ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर ऐलान नहीं किया है। फैंस तो उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित रहते हैं।

यहां मई से लेकर जुलाई तक नहीं डूबता सूर्य, रात दो बजे तक भी घूमते हैं लोग

आमतौर पर हम सूर्योदय और सूर्यास्त के आधार पर ही अपने काम करते हैं, जैसे सूर्यास्त के बाद लोग सोते हैं और आराम करते हैं। वहीं सूरज निकलने पर अपनी दिनचर्या के सभी काम करते हैं। दिन और रात के कॉन्सेप्ट की वजह से ही हमारा जीवन इतने व्यवस्थित ढंग से चल पाता है। ऐसे में क्या कभी आपने सोचा है कि अगर सूरज न डूबे और चांद न निकले तो हमें दिन और रात का पता कैसे चलेगा और हमारा जीवन कैसा होगा? अगर हमें दिन और रात का पता नहीं चलता तो शायद हमारे लिए काफी मुश्किल हो सकती है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां कुछ महीनों तक रात ही नहीं होती है, तो आप क्या कहेंगे? आज हम आपको इसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको कई महीनों बाद सूरज निकलता और ढलता है। नॉर्वे में एक ऐसा आइलैंड है, जहां कुदरत का एक अनोखा नजारा देखने को मिलता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां कुछ महीने ऐसे गुजरते हैं जब सूरज ढलता ही नहीं है। ऐसे में सवाल ये है कि अगर सूरज ढलेगा ही नहीं तो लोग अपनी लाइफ साइकिल को किस प्रकार जी सकेंगे। ये अनोखा आइलैंड आर्कटिक सर्किल में पड़ता है, जिसका नाम सोमारोय है। इस आइलैंड पर मई से लेकर जुलाई तक कुल 70 दिन तक सूरज डूबता ही नहीं है। इतना ही नहीं इसके बाद अगले 3 महीने ऐसे आते हैं, जिस दौरान सूरज नहीं निकलता है। यानी यहां 70 दिनों तक उजाला रहता है और 3 महीनों तक अंधेरा ही रहता है। इस हिसाब से देखा जाए तो यहां 70 दिनों तक दिन और 3 महीनों तक रात रहती है। इस अजीबोगरीब दिन-रात के चक्र को यहां के रहने वाले 300 नागरिकों झेलना पड़ता है, जो उनके लिए काफी मुश्किल साबित होता है। वहां के लोगों की मांग है कि उनके इलाके को दुनिया का पहला टाइम फ्री जोन घोषित किया जाए। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां के लोग इस जगह को टाइमफ्री जोन घोषित करने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उनके मुताबिक 70 दिन का समय उनके लिए मायने ही नहीं रखता। वह रात के दो बजे भी अपने दिन के सारे काम कर सकते हैं। यहां के लोग अपने काम और बिजनेस के लिए घड़ी के समय पर निर्भर नहीं रहते हैं। हालांकि होटल और लॉज जैसे बिजनेस के लिए घड़ी जरूर देखी जाती है, लेकिन बहुत से लोगों का कहना है कि वे अपना जीवन फ्री होकर जीते हैं। उन्हें जीने के लिए घड़ी की बंदिश की जरूरत नहीं है।

अजब-गजब | राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल की रिसर्च में खुलासा

गजब! संगीत सुनाओ तो ज्यादा दूध देंगी गाय-भैंसें

कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की बंसी की धुन सुनकर सैंकड़ों गायें दौड़ी चली आती थीं। यह कहावत अब वैज्ञानिक दृष्टि से भी सच साबित हो रही है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ इंसानों को परेशान करता है, बल्कि पशुओं को भी व्याकुल कर देता है। ऐसे में खासतौर पर दुधारू पशुओं को तनाव मुक्त रखने के लिए राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल ने एक अनोखी रिसर्च की है।

जिस तरह मनुष्य को संगीत पसंद आता है और म्यूजिक सुनकर वे खुद को रिलैक्स फील कराते हैं, ठीक इसी प्रकार इस रिसर्च में सामने आया है कि मधुर धुन या संगीत पशुओं को तनाव मुक्त रखता है। हष्टब्रह्र की शाखा जलवायु प्रतिरोधी पशुधन अनुसंधान केंद्र ने ये प्रयोग हजारों दुधारू पशुओं पर किया है और करीब चार सालों से इस पर रिसर्च चल रही थी। नतीजन संगीत से पशुओं का न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बल्कि उनके दूध देने की क्षमता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। इस बारे में संस्थान के वरिष्ठ पशु वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष का कहना है कि काफी समय पहले सुना था कि गायों को संगीत और भजन पसंद होते हैं। हमने जब यह प्रयोग अपनाया तो उसका परिणाम काफी अच्छा निकला। कहा कि संगीत की तरंगें गाय के मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को सक्रिय करती हैं और गाय को दूध देने के लिए प्रेरित करती हैं।

साल 1955 में एनडीआरआई की स्थापना के बाद से ही पशुओं पर काफी शोध किए जा रहे हैं। देसी गायों की नस्लों पर अलग-अलग प्रकार के प्रयोग हो रहे रहे हैं। इसी कड़ी में पशुओं पर जलवायु परिवर्तन के असर को लेकर भी शोध चल रहा था। उन्हें तनावमुक्त रखने के प्रयास किए जा रहे थे। संगीत सुना कर पशुओं के व्यवहार को परखा गया और पाया कि संगीत से पशु भीषण गर्मी में भी खुद को रिलैक्स रखते हैं और आराम से बैठकर जुगाली करते हैं। परिणामस्वरूप इसका असर उनके दुग्ध उत्पादन पर भी पड़ा और वे पहले से अधिक दूध देने लगे।

डॉ. आशुतोष ने बताया कि जिस तरह से हम पशु को एक ही जगह पर बांध कर रखते हैं, वह तनाव में आ जाते हैं और ठीक तरह से व्यवहार नहीं करते। हम यहां पर पशुओं को उस तरह का वातावरण दे रहे हैं, जिसमें पशु के ऊपर कोई भी दबाव न हो और वह तनाव मुक्त रख सके। रिसर्च में संगीत और भजन का सहारा लिया गया और अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

प्रशासन की प्रताड़ना से गई युवक की जान : दिग्विजय

पूर्व सीएम ने मंत्री भूपेंद्र सिंह पर लगाया गंभीर आरोप, ओलावृष्टि प्रभावित फसल का मुआवजा न मिलने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव को देखते हुए दिनोंदिन राजनीतिक बयानबाजी से सियासी पारा गरमा रहा है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर मंत्री भूपेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाया। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने लिखा कि मंत्री भूपेंद्र सिंह के सामने ओलावृष्टि से प्रभावित फसल की मुआवजा राशि नहीं मिलने की बात करने वाले युवक सुरदीप पिता संतोष ठाकुर निवासी ग्राम लेहटवास तहसील बीना, जिला सागर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत। इसकी पुलिस जांच कर रही है।

एक अन्य ट्वीट में दिग्विजय सिंह ने लिखा कि मंत्री जी की सभा में बोलने पर पुलिस ने युवक पर मामला दर्ज किया था एवं युवक का टपरा गिराया गया था, जिससे युवक परेशान था। प्रशासन द्वारा उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। एक व्यक्ति द्वारा मुझे यह सूचना मिली है। मैं पता लगा रहा हूं।

सूखी बावड़ी को समंदर समझ बैठे लोग : मंत्री

पूर्व सीएम के ट्वीट पर मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पलटवार कर लिखा कि कभी सुनते थे कि दिग्विजय सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति का समंदर हैं। पर आज देख रहा हूं कि कहने वाले सूखी बावड़ी को समंदर समझ बैठे। अचंभित हूं आपकी सुनी सुनाई, तथ्यहीन राजनीति से। सत्य और तथ्य से ऐसा दुराग्रह? अब मैं आपको बताता हूं साक्ष्य के साथ तथ्य। भूपेंद्र सिंह ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि आप जिस सुरदीप के मुआवजा नहीं मिलने की आवाज उठाने की बात कर रहे उसके नाम पर कोई जमीन नहीं है। फिर मुआवजा नहीं मिलने का प्रश्न कहां से उठा? सुरदीप के भाई रवींद्र के नाम पर डेढ़ एकड़ जमीन है, जिसे 16 हजार रुपये मुआवजा मिल चुका है।

कमलनाथ जी ही सर्वेसर्वा

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस ने महाकाल लोक, सतपुड़ा भवन में आग और निरंतर भ्रष्टाचार पर शिवराज सरकार के खिलाफ प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन किया। इसके तहत ही भोपाल में प्रदर्शन किया गया है। यहां पर शिवराज सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। भोपाल में दिग्विजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। साथ ही कार्यकर्ताओं को नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सुधर जाएं। उम्मीदवार इतने खड़े हो गए है कि मुसीबत हो रही है कि किस किस को समझाएं। हमने तो कह दिया है कि कमलनाथ जी ही सर्वेसर्वा, उनका सर्वे ही पत्थर की लकीर है। सर्वे के हिसाब से ही टिकट मिलेगा। किसी के पास जाने की जरूरत नहीं है। हमारे बस की बात नहीं है। इसलिए एकजुट हो जाओ। लड़ो मत। डरो मत। भाजपा की सरकार मिटाओ और एक-एक मंत्री, अधिकारी, दलाल की जांच कराकर जहां भेजना चाहिए, वहां इनको भेजा जाएगा। भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी,कांतिलाल भूरिया शामिल हुए।

सिंधिया के एक और समर्थक ने छोड़ी बीजेपी

मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक और बड़ा झटका लगा हैं। दरअसल, ग्वालियर चंबल संभाग में ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों के पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में

अब शिवपुरी के एक सिंधियानिष्ठ भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने भाजपा से नाता तोड़ लिया है। सिंधिया समर्थक राकेश गुप्ता 26 जून को भाजपा छोड़कर कांग्रेस में जा रहे हैं।

किसी को सत्ता से हटाने का जुनून न हो : के.टी. रामा राव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई देश के समक्ष उपस्थित ''प्रमुख मुद्दों पर आधारित होनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि वे सत्ता से ''किसी को बेदखल करने को लेकर ''जुनूनी हो गये हैं।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आयोजित विपक्षी दलों की बैठक के कुछ दिन बाद उनका यह बयान आया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.सी. चन्द्रशेखर राव के बेटे एवं राज्य के मंत्री राव ने कहा कि उनकी पार्टी देश के कल्याण से जुड़े मूल सिद्धांतों के मुद्दे पर कभी समझौता नहीं करेग।

देश की बुनियादी प्राथमिकताओं पर हो सभी पार्टियों की नजर

राव ने कहा, कि लड़ाई देश के सामने प्रमुख मुद्दों पर होनी चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ऐसा लगता है कि हम किसी को हटाने या किसी को वहां बैठाने को लेकर जुनूनी और चिंतित हैं। एजेंडा यह नहीं होना चाहिए। एजेंडा यह होना चाहिए कि देश की बुनियादी प्राथमिकताओं को कैसे पूरा किया जाए। आपको किसी के खिलाफ एकजुट नहीं होना चाहिए, आपको किसी चीज के लिए एकजुट होना चाहिए. वह क्या है, कोई भी समझ नहीं पा रहा है।

केजरीवाल ने मांगा एलजी का इस्तीफा

» टनल में बंदूक की नोक पर व्यापारी से लूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बदमाशों में पुलिस का खौफ नही रह गया है। शनिवार को प्रगति मैदान टनल के अंदर बदमाशों ने पिस्टल के बल पर कार सवार कारोबारी से दो लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया। अब इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें बेखोफ बाइक सवार बदमाश लूट को अंजाम देते नजर आ रहे हैं।

वहीं, इस वारदात का वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उपराज्यपाल का इस्तीफा मांगा है। उन्होंने एलजी पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर लिखा, एलजी को इस्तीफा देना चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए रास्ता बनाएं, जो दिल्ली के लोगों को सुरक्षा प्रदान कर सके। अगर केंद्र सरकार दिल्ली को सुरक्षित नहीं बना सकती तो इसे हमें सौंप दें। हम आपको दिखाएंगे कि किसी शहर को उसके नागरिकों के लिए कैसे सुरक्षित बनाया जाए।

भारत में लोगों के मन में क्रांति की भावना बन रही : सामना

» संपादकीय में भाजपा पर कसे तंज, पुतिन की तरह मोदी को भी जाना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे के मुखपत्र सामना के संपादकीय में पीएम मोदी और बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। संपादकीय में लिखा है कि पुतिन की तरह मोदी को भी सत्ता से जाना होगा, पटना में 'वैगनर ग्रुप' ने यही तय किया है। संपादकीय में गृहमंत्री अमित शाह के विपक्ष के फोटो सेशन वाले बयान पर भी उन्हें आड़े हाथों लिया। सामना में कहा गया, आज पुतिन के देश में क्या हो रहा है?

पुतिन की ओर से अपनी सुविधा के लिए तैयार किए गए वैगनर ग्रुप नामक सेना ने ही पुतिन के खिलाफ बगावत का एलान कर दिया। रूस में विगत कई सालों में हुआ चुनाव सिर्फ छलावा था। पुतिन के लोग गड़बड़ी करके चुनाव जीतते रहे और उन्होंने संसद पर कब्जा हासिल किया। हिंदुस्थान में भी यही चल रहा है और लोगों के मन में क्रांति की भावना निर्माण हो रही है।

विपक्ष की मीटिंग भारत का वैगनर ग्रुप

ठाकरे ने कहा कि अमित शाह ने अपेक्षा के अनुरूप ही प्रतिक्रिया दी। देश में फोटोप्रेमी कौन है? यह 140 करोड़ जनता प्रतिदिन देखती है। फोटो या लोकप्रियता के आड़े आनेवाले अपने ही नेताओं, मंत्रियों को वैसे ढकेल कर दूर किया जाता है, यह मोदी ने कई बार दिखा दिया है। संपादकीय में आगे लिखा गया, रहा सवाल 2024 में क्या परिणाम आएगा इसका, इस बार का फैसला ईवीएम नहीं करेगी, जनता ही करेगी। विपक्ष के लोग पटना में फोटो खिंचाने के लिए एकत्रित हुए, ये मान भी लिया जाए तो उनसे इतना डरने की वजह क्या है?

विश्वकप मैच कब और कहां होंगे कल होगा खुलासा

» बीसीसीआई मंगलवार को रिलीज करेगा पूरा शेड्यूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईसीसी 27 जून, मंगलवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में वनडे विश्व कप टूर्नामेंट के शेडयूल का खुलासा करेगी। साथ ही, अक्टूबर में शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए 27 जून को 100 दिन शेष रह जाएंगे। बहुप्रतीक्षित एकदिवसीय विश्व कप अक्टूबर में शुरू होने में तीन महीने से अधिक का समय बाकी है। क्रिकेट प्रेमी भारत में होने वाले इस जोरदार टूर्नामेंट का इंतजार कर रहे है। लेकिन तक शेडयूल का खुलासा नहीं हो सका है।

प्रशंसक टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं ही लेकिन वे आधिकारिक कार्यक्रम सामने आने का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मसौदा कार्यक्रम पहले जारी किया गया था और कथित तौर पर आधिकारिक कार्यक्रम अगले सप्ताह जारी किया जाएगा। विशेष रूप से, भारतीय क्रि केट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आईसीसी को एक मसौदा कार्यक्रम भेजा गया था, जिसने इसे इस महीने की शुरुआत में अन्य भाग लेने वाले देशों को भेजा था। जानकारी के मुताबिक आईसीसी ने ऑफिशियल मीडिया इनवाइट जारी किया है जिसमें तारीख, समय की जानकारी देते हुए मीडिया को अनाउंसमेंट समारोह के लिए आमंत्रित किया है।

फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज आठ अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में करेगी जबकि एक सप्ताह बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच अहमदाबाद में होगा। दोनों सेमीफाइनल मुंबई और चेन्नई में होंगे। फाइनल भी 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जायेगा। विश्व कप की मेजबानी के लिए जिन 11 शहरों को चुना गया है उनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी, पुणे, लखनऊ और धर्मशाला का नाम शामिल है। मेजबान भारत अपने लीग मैच नौ शहरों में खेलेगा जिनमें कोलकाता, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरू शामिल है। पाकिस्तान से मुकाबला 15 अक्टूबर को होगा। वहीं पाकिस्तान के लीग मैच पांच शहरो में होंगे।

लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बहाल किया : राजनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जम्मू पहुंचे। यहां उन्होंने सुरक्षा सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में करीब 1500 लोगों ने हिस्सा लिया। जम्मू विश्वविद्यालय में सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं में नई आशा जगाई है। एक लाख स्टार्टअप शुरू किए गए हैं।

हमने राजनीति, राजनेताओं और लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बहाल करने का काम किया है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हम अब रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की कोशिश कर रहे हैं। हम विभिन्न हथियारों और गोला-बारूद का निर्माण कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम आतंकियों की फंडिंग की चेन को नष्ट कर रहे हैं। आतंकवाद के नेटवर्क को खत्म किया जा रहा है। आतंकवाद को लेकर हमारा रुख कड़ा है।

पाकिस्तान को अपना घर संभालना चाहिए

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को भी खूब खरी-खोटी सुनाई। पीएम मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन की हाल की मुलाकात का जिक्र करते हुए राजनाथ ने कहा कि स्वाभाविक है कि पाकिस्तान के हुक्मरानों को इस ज्वाइंट स्टेटमेंट से मिर्ची लगेगी। उनकी तरफ से फिर से वही रटा रटाया बयान आया है कि भारत दुनिया का कश्मीर से ध्यान हटा रहा है। मैं पाकिस्तान की सरकार को स्पष्ट बताना चाहता हूं कि कश्मीर की रट लगा कर कुछ हासिल नही होगा। अपना घर संभालिए। जिस तरह के हालात वहां है उसमें कुछ भी जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

किशनगंज पुल ढहने का मामला

एनएचएआई के चार अधिकारी निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एनएचएआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अवधेश कुमार ने कहा कि एनएचएआई ने पुल निर्माण से जुड़े चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, यह परियोजना 1,500 करोड़ रुपये की है। किशनगंज बिहार के किशनगंज जिले में निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरने के एक दिन बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परियोजना का हिस्सा रहे चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

मेची नदी पर बन रहा यह निर्माणाधीन पुल किशनगंज और कटिहार को जोड़ेगा। एनएचएआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अवधेश कुमार ने कहा कि एनएचएआई ने पुल निर्माण से जुड़े चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, यह परियोजना 1,500 करोड़ रुपये की है। हालांकि, उन्होंने निलंबित किए गए अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया। एनएच-327ई पर गोरी के पास पुल का एक खंभा शनिवार को गिर गया। एनएचएआई के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इस घटना के सिलसिले में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है, जो विस्तृत जांच के लिए घटनास्थल का दौरा करने वाली है। इस बीच, राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि यह पुल केंद्रीय परियोजना का हिस्सा था और इस मामले में कार्रवाई करने का अधिकार एनएचएआई के पास है। इसके पहले चार जून को खगड़िया जिले को भागलपुर से जोड़ने के लिए बनाया जा रहा पुल ध्वस्त हो गया था।

1,500 करोड़ रुपये की है यह परियोजना

मणिपुर में तबाह किए गए उग्रवादियों के 12 बंकर

» सर्वदलीय बैठक के बाद ऐक्शन में सुरक्षाबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। सभी दलों के साथ गृहमंत्री की बैठक के बाद से मणिपुर में हालात को संभालने के प्रयास तेज कर दिए गए है। इसी के मद्देनजर मणिपुर में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उग्रवादियों के 12 बंकर तबाह कर दिए हैं। यह कार्रवाई बीते 24 घंटे में की गई है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों ने राज्य के तामेंगलोंग, इंफाल पूर्वी, बिशनुपुर, कांगपोकपी, चुराचांदपुर और काकचिंग जिलों में सर्च अभियान चलाया और 12 बंकरों को तबाह कर दिया। यह बंकर पहाड़ी और घाटी के इलाकों में बनाए गए थे।

पुलिस ने बताया कि सर्च अभियान के दौरान 51 एमएम के तीन मोर्टार शेल, 84 एमएम के तीन मोर्टार शेल भी धान के खेतों से बरामद किए गए हैं। एक जगह आईईडी भी बरामद किया गया। बम डिस्पोजल टीम ने मौके पर ही सभी मोर्टार शेल और आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। मणिपुर पुलिस ने बताया कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं। पुलिस ने कर्फ्यू के उल्लंघन, सुनसान घरों में चोरी, आगजनी के मामले में 135 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बड़ी मात्रा में बरामद किए हथियार

पुलिस ने बताया कि अभी तक कुल 1100 हथियार, 250 बम बरामद किए गए हैं। हिंसा प्रभावित इलाकों में फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं और सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से कहा है कि हालात सामान्य करने में पुलिस पूरी मदद करेगी। सेंट्रल कंट्रोल रूम का नंबर जारी किया गया है, जिस पर फोन करके लोग किसी अफवाह की पुष्टि कर सकते हैं और हथियार पुलिस के पास जमा करने के लिए भी कंट्रोल रूम को सूचना दी जा सकती है। बता दें कि मणिपुर में बीती 3 मई को हिंसा की शुरुआत हुई थी, जब मैतई समुदाय को जनजातीय आरक्षण देने की मांग के विरोध में ऑल ट्राइबल्स स्टूडेंट यूनियन ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद राज्य में हिंसा भड़क गई। अब तक हिंसा में राज्य में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और बड़ी संख्या में लोग घायल हैं।

जल प्रहार : 5 राज्यों में गईं 16 जानें

» अगले 2 दिन भारी बारिश का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि अगले दो दिन तक उत्तर प्रदेश समेत 25 राज्यों में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। बीते दिन देशभर में हुई बारिश से पांच राज्यों में 16 लोगों की जान गई है। राजस्थान में बिजली गिरने के अलग-अलग हादसों में 4 लोगों की जान गई।

मुंबई में दो इमारतों का हिस्सा गिरने से छह लोगों की मौत हुई, जबकि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिजली के खंभे से करंट लगने से एक महिला की जान चली गई। उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश के चलते तीन लोगों की मौत की खबर है। जबकि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में बादल फटने की घटना हुई है। मंडी जिले में बाढ़ से 200 लोग फंस गए।

हवाई व रेलमार्ग पर भी असर

खराब मौसम के चलते श्रीनगर से जम्मू के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो फ्लाइट दो बार पाकिस्तान सीमा में जा पहुंची। बाद में इस फ्लाइट की अमृतसर में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। पूर देश में जहां-जहां बारिश हो रही है रेल व सड़क मार्ग भी प्रभावित हुआ है। मंडी-कुल्लू और चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे ब्लॉक होने से सैकड़ों गाड़ियां फंसी हुई हैं। वहीं, उत्तराखंड में भारी बारिश से बद्रीनाथ हाईवे बह गया है। खराब मौसम की वजह से केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक, झारखंड, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, कोंकण-गोवा, छत्तीसगढ़ , असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तटीय कर्नाटक और केरल में आज और कल दो दिन भारी बारिश हो सकती है।

ओडिशा में दो बसें भिड़ीं,12 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गंजम। ओडिशा के गंजम जिले में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि को दो बसों के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घायलों को तुरंत इलाज के लिए बेरहामपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

ओडिशा राज्य सड़क परिवहन निगम की बस और एक निजी बस की दुखद सड़क दुर्घटना गंजम जिले के दिगपहांडी पुलिस सीमा के अंतर्गत हुई। दुर्घटना में घायल हुए सभी लोगों को इलाज के लिए एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।

ट्रक और रिक्शा की टक्कर आठ लोगों की दर्दनाक मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक ट्रक और रिक्शा की जोरदार टक्कर होने से 8 मासूम लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, अन्य यात्री घायल भी हुए है। घटना दापोली-हरने मार्ग पर हुई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सड़क हादसे को लेकर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5-5 लाख रुपये देने की घोषणा की है। सीएम ने प्रशासन को घायलों को सरकारी खर्च पर उचित चिकित्सा उपचार प्रदान करने का भी निर्देश दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।